

आर्या समाज

125

ARCHIVES

ॐ नमः श्रीवज्रसत्ताय ॥ ॐ नमो बुद्धाय ॥ नमो धर्माय ॥ नमः संघाय ॥
ॐ स्वस्ति ॥ ॐ संभर २ विमलसान्महाजवड ॥ ॐ सुभर २ विमनस्करमहाज
वड ॥ नन्मन्त्रधा १ वाचनेन न्यायामन्त्रवोन सांल कछि १ वोन प्रगान ॥
ॐ संभर २ विमनसान्महाजभये स्वाहा ॥ धालछि १ वोन धर्मदान यान सा
ल कछि १ विषा पुण्य ॥ ॐ स्मर २ विमनस्करमहाजवड ॥ धाल १ वोन ध

मदनपातसालकछिप्रमारावधेनुयावयी॥ ॐ भरसोभरनिम्नस
नमहाजभयेद्रुद्र॥ वावोनाथानयानसारकछिप्रमारावोनाथ॥ ॥
ॐ धरेभन्धरे स्वाहा॥ वावोना पूजायानसांश्वयापु रण्यारख्यानयायम
ॐ॥ ॐ नमः सर्वतभागत हृदयाधनुगंते॥ ॐ कुरुंगिनी स्वाहा॥ वोनानकोटि
जन्मसयानापापनाश॥ ॐ नमो महारत्नचन्द्रालंकारसर्वज्ञमित्रनेत्र

भकेतुराजाय नृभागताय॥ वोनायापु रण्यनद्वलछिजससचक्रवर्तिराजाय
ॐ॥ ॐ नमः चन्द्रमण्डलविशोवयमानतथागताय॥ वोनसानताननिर्वा
रापदलाय॥ ॐ नमः सर्वधर्मसंपूर्णप्रतिभासनविमलदिन्येश्वर
तेजसंभवप्रभकेतुराजाय नृभागतायार्हते सम्पत्संबुद्धाय॥ इह जन्मानं
हलोकसभिगुगुलसजन्मजुयू॥ ॐ नमो अक्षोभ्यतथागताय॥ श्वया

पुराण अकर्म अकृति अधर्म सर्वपापनाश अकनिष्ठाया श्रीवृद्धशेखरस
मणिपर्वतसज्जन्मजुषीत ॥ १० ॥ ॐ नमो भगवते शाक्यमुनिनथागताय ॥ बोना
या पुराणनकोटिजन्मसयानापापनाश ॥ ११ ॥ ॐ नमो तेजसमन्तअमवासविजित
संग्रामश्रियेतथागताय ॥ बोनाया पुराणचक्रलिपानापापनाश ॥ ॐ नमो कन्नश्री
शासनाद्विरविपसासतसहस्रपारिमितासर्वसंपूर्णतथागताय ॥ बोनाया पुराण

वृद्धभाषितदको बोनाया पुराणउत्तिधर्मलाय ॥ ॐ नमो चन्द्रासनसिंहविकी
तेतयधर्मपारिणविजयधरतथागताय ॥ ॐ नमो बोनाया पुराणनंपंचमहापापअकृति
दकोपापछेदनजुय ॥ ॐ नमो भगवते महारत्नधर्मसर्वसंपूर्णतथागताया हते
सम्पत्संवृक्षाय ॥ ॐ नमो बोनाया पुराणनगसागन्धापापनाश ॥ ॐ नमो भगवते म
हारत्नधर्मानिकिरणप्रभकेतुतथागताया हते सम्पत्संवृक्षाय ॥ बोनाया पुराणनअ

सारसंपत्तिदायाकयागुपापनाश॥ ॐ नमो भगवते धूपपुष्पअभिवल्लकेतुरा
जायतथागतायाहेतेसम्पक्त्तंबुद्धाय॥ ध्यापुण्यनअभिध्याखस्त्रीकीडायानापा
पनाश॥ ॐ नमो भगवते नवनीनांसम्पक्त्तंबुद्धकोटीनांबुद्धशतसहस्राणां गं
गानदीवालुकानांतथागतकोटिनां॥ ध्वोनायापुण्यहिंसायानापापनाश॥
ॐ नमो भगवते महारत्नउल्लीषनेन तथागतायाहेतेसम्पक्त्तंबुद्धाय॥ ध्वोनानं

तवधनकुलसज्जनजुयु॥ ॐ नमो भगवते धर्मसमुद्रसर्वसंघधर तथागतायाहे
तेसम्पक्त्तंबुद्धाय॥ ध्वोनानंतवधनकुलसज्जनजुयु॥ गुरुद्रोहहृष्यायातापा
पनाश॥ ॐ नमो भगवते आयुकरधर तथागतायाहेतेसम्पक्त्तंबुद्धाय॥ ध्वो
नायापुण्यनअचेतजुयुवलेसुचेतजुयु॥ ॐ नमो भगवते सर्वसर्वतथागतविहर
तिस्म॥ इन्द्रकेतुध्वजश्रीय तथागतायाहेतेसम्पक्त्तंबुद्धाय॥ ॐ नमो ॐ आः त्रिशर

शाप्रजस्यात्मकत्रिसायनुक्त्रधारसुधीकल्पभद्रसमुद्रेणममवानांकुरुसर्वसिद्धि
प्रयच्छगुंफुट् **॥ श्रीगुस्त्याधारणी ॥ पापनाश ॥** ॐ वज्रकोटमह श्रीहेरुकुं
फुट् ॥ ॐ नुरु २ ॐ भो ॐ फुट् ॥ ॐ आः क्रोन्नेकयमांतकहनमथभक्ष ॐ फुट् ॥ ॐ पशान्त
ककृत् महकोट ह्यग्रीव ॐ लु २ ॐ फुट् ॥ ॐ वज्रकिलिकिलालकीलयसर्वविघ्न
त्वं ॐ फुट् ॥ ॐ गुह्यज्ञान श्रीहेरुक आताकोटि श्वरिस्त्वं ममयोगिनी नुरु २ ॐ भो ॐ फु

ट् ॥ ॐ वज्रवन्धसर्वउष्टु २ ॐ फुट् ॥ ॐ वज्रसर्वउष्टु २ ॐ फुट् ॥ ॐ वज्रमहागुरुसर्व
सिद्धि ॐ फुट् ॥ ॐ ह्यु पशान्तककृत् वज्र कोट ह्यग्रीव ॐ लु २ ॐ फुट् ॥ कामदेवीम
न्त्रकामक्रीडाया नापापनाश ॥ ॐ धउ ह्योषधानुमिति स्वाहा ॥ त्रैतथागतधानु
विभूषिते अधिष्ठिते ॐ ॐ फुट् फुट् स्वाहा ॥ धर्मत्रयोनायापुण्य आकाशचालिनगा
यमु ॥ ॐ आः भगवान्वैरोचन ॐ ॐ आ अशोभः ॐ ॐ ओं आः रत्नसंभव ॐ

ॐ आः अमिताभ ऊँ ॐ आः अमोघसिद्धि ऊँ ॥ पंचवृद्धवोधिसत्वमन्त्र ॥ सर्वभयना
श ॥ ॐ आः वृद्धविपश्ची ऊँ ॐ आः शिखी ऊँ ॐ आः विश्वभुव ऊँ ॐ आः ऋकृच्छ
न ऊँ ॐ आः कनकमुनी ऊँ ॐ आः कारुपप ऊँ ॐ आः शाक्यमुनि ऊँ ॥ सप्तवृद्धम
न्त्र सर्वमोहमाया छिदन ॥ ॐ आः आर्यावलोकितेश्वर ऊँ ॐ आः आर्यमैत्रीये
ऊँ ॐ आः आकाशगर्भ ऊँ ॐ आः समन्तभद्र ऊँ ॐ आः वज्रपाणि ऊँ ॐ आः मंजु

श्रीकुमारभूते ऊँ ॐ आः सर्वणीवर्गो विष्कम्भिनी ऊँ ॐ आः क्षितिगर्भ ऊँ ॐ अष्टौ वो
धिसत्वमन्त्र ॥ ॐ नमो शाक्यमुनये जगताया हते सम्पक्सं वृद्धाय ॥ तद्यथा
ॐ मुनिश्च महामुनि शाक्यमुनये स्वाहा ॥ उत्तमश्रावक शाक्यमुनि हृदय ॥ ॐ नमो
भगवते अशोभाय जगताया हते सम्पक्सं वृद्धाय ॥ तद्यथा ॐ कंकनिश्चोचनि
त्रोचनिश्चोचनिश्चोचनि हत हत ॥ सर्वकर्मापहं पराजिते सर्वसत्त्वानां च स्वाहा ॥ श्री

धर्मनाथ असोम्याधारणी ॥ ॐ नमो भगवते भैषज्यगुरु भैषज्यभूय प्रभकेतुरा
जायतन् भागताया हते सम्पत्तं बुद्धाय ॥ तथ्या ॥ भैषज्यमहानैषज्यराजसमुद्रते स्वा
हा ॥ महामैषज्यधारणी ॥ ॐ नमो भगवते अपरिमितायुर्त्तानसुविनिश्चित ॥ तेजो
राजायतन् भागताया हते सम्पत्तं बुद्धाय ॥ तथ्या ॥ ॐ पुराणमहापुराण अपरिमितपुराण
अपरिमितायु पुराणज्ञानसंभारोपचिन्ते ॥ ॐ सर्वसंस्कारपरिभुद्धधर्मते गगनसमुद्र

ते स्वभावविभुद्धे महानयपरिवारे स्वाहा ॥ भगवान अष्टोत्तरशनेनाम ॥ ॐ तथ्या
भैषज्यमहामैषज्यराजसमुद्रते स्वाहा ॥ वासलवियवेतसध्वमन्त्रवोनाविय ॥
ॐ मशिपमेडं ॥ ॐ वागीश्वरोमूं ॥ ॐ वज्रपाणि ॥ ॐ अरपंचतवी ॥ चोलुखासतयपि
शान्च उपसर्गि रोग अकालभयनाश ॥ ॐ नमो रत्नत्रयाय ॥ नमो भगवते शाक्यमुन
येतन् भागताया हते सम्पत्तं बुद्धाय तथ्या ॥ अजिते ॥ अपराजिते ॥ अजितं जय हर ॥ मे

त्री अवलोकिते कर रम हा समय सिद्धि भर २ महा बोधि मण्डा विजय ॥ स्मर १ अस्मकं स
मय बोधि म हा बोधि स्वाहा ॥ ॐ मोहि २ महा मोहि स्वाहा ॥ ॐ मुनि २ महामुनि स्मर स्वाहा ॥
ध्वमन्त्र बोना जु वसा हू स पो न न ता को प्राणि उद्धार मो स जु यि ॥ ॐ वाक्पे दंत मः
ॐ चर उ महा रोष रा ऊं फूट ॥ ॐ तारे तु तारे तु रे स्वाहा ॥ ॐ मारी चै स्वाहा ॥ ॐ पिशाचि
परांश वरि सर्वे चर प्रशमन ये स्वाहा ॥ ॐ पद्मो ह्नी ष विमले ऊं फूट ॥ ध्वमन्त्र बो यालु

खा फू स सं त य भो लो य उ प सर्गा व य म उ ॥ ॐ मरिा धरि वज्रिणी महा प्रति सेरे ऊं
फूट स्वाहा ॥ ॐ अमृते अमृत वरे वर २ प्रवर विभु दे ऊं ऊं फूट फूट स्वाहा ॥ ॐ भर १ सं
भर १ इन्द्रिय वल वि शोध निरुस्त चले ऊं ऊं फूट फूट स्वाहा ॥ ध्वमन्त्र बो नान भूत प्रेत
स जन्म जु य म म्वात् ॥ ॐ नमो मंजु श्रिये नमः ॥ सुश्रिये नमः ॥ उत्तम श्रिये नमः ॥
बो नां दंड व्रत या त सा छ पो ल या त सां द ल छि या ना प्र मा रा पु रा प ॥ ॐ नमो भ

गवतेरत्नकेगुराजाय नमः ॥ आगताया हते सम्यक् संवक्षाय ॥ जयथा ॥ ॐ रत्ने १ महारत्ने
रत्नविजये स्वाहा ॥ ॐ नमो दशदिक्त्रिकांत सर्वरत्नत्रयाय प्रदक्ष सर्वपापविशोध
निसाहा ॥ ॐ मन्त्रवोनावदेव चाकर उरसा ह्वा क उरसां हल छि चा क उलाया पुराण
लाक ॥ ॐ विपुलगर्भे मरिण प्रभेतथागतनिर्देशने मरिण सुप्रभ विमल सगनग
मिरे ऊं ऊं ज्वल ज्वल बुद्ध विवर्द्धने विलोकिने गुह्याधिष्ठिते गर्भे स्वाहा ॥ ॐ मन्त्रवो

नाना अष्टरत्नलाभदयुः ॥ ॐ मरिण कज्जे ऊं मंजु श्री हृदय ॥ ॐ मरिण धनि ऊं
वांछा छि स्तुतु ॥ ॐ खेचल ऊं सर्वसिद्धिदयी ॥ ॐ नमो भगवते प्रज्ञापार
मितायै ॥ ॐ नतानि तद्वलि शिमिलि सिमिलि शिबितयने नमो भगवते प्रदत्तं प्रति
श्रुति २ मिरिति २ श्रुति २ श्रुति २ भूये स्वाहा ॥ ॐ मन्त्रवो नाना वक्रो टिक्र छत्र प्र
ज्ञापारमितावो नाया पुराण उति ॥ ॐ अधिष्ठित खेवर ऊं ॥ ॐ अष्टाशर मंजु श्रीया

मंत्र॥ इन्द्रवज्राभारपावनास्पृज्यवेरसधारियातलसस्वानपुयावनेन्दुयासिक
किरपतंगत्रयोदशभुवनसज्जन्मजुयुप्रत्नेकबुद्धधायकेदयि॥ तद्यथा॥ ॐ शीः
धमंजुप्रियाकिरराभास॥ सर्वपापनाश॥ ॐ इहोभुद्धेविहोभुद्धेभग्नित्विनल
भुद्धेरंअअस्वाहा॥ ॐ विरस्त्रिस्वाहा॥ ध्यापुण्यमेवनमस्कुप्यानातकुसांलग
पजुश्मउसर्वबाधिरकोमोचन॥ ॐ असिजातपत्रेअपरजितेसर्वग्रहंत्रा

शयश्हनश्हीश्ऊंश्फट्स्वाहा॥ महाप्रत्नगिरानामधारणी॥ ॐ नमोवरण्डको
अयकुलुश्निष्ठश्चश्हनश्अमृतेऊंश्फट्स्वाहा॥ वज्रमहायोगधारणी॥ ॥
ॐ तारेतुनारेनुमायुपुण्यज्ञानपुष्टिंकुसुयेस्वाहा॥ सप्तरोचनिताराधारणी॥ ॥
ॐ नमोसर्वतथागतवलोकितेॐ सम्भरेऊं॥ महाधूपमंत्र॥ प्रकाशयायमने॥ ॥
ॐ नमःवज्रसारत्रधर्मतेतथागतायाहतेसम्भक्तं बुद्धाय॥ ॐ वज्रेश्महावज्रेमहा

नेनवज्रेमहाविश्वज्रेमहासोविचित्रवज्रेमहासुवोधिमरुतापकेसमक्रमनवज्रेस
र्वकर्मावरणाविशोधनेवज्रेस्वाहा॥ वीणापूजायातसाव्याख्यानमउ॥ ॥ॐ नमः॥
समस्तकुडानां असमपदधर्मधातुकर्म्यगन्ति शतानां सर्वथा॥ अखं अं अं सैमं द
हं रं वं व स्वाहा॥ रं स्वाहा॥ हं स्वाहा॥ भाववैरोचनधारणी॥ ॥ॐ नमः॥
सर्वतथागतयोगिभरुं॥ अनुत्तरमहायोगहृदय॥ ॥ॐ नमोभगवते सर्व

उर्गतिपरिशोधनराजाय तथागताया हते सम्पत्सं कुडाय॥ तथथा॥ ॐ शोध
नेर विशोधनेर सर्वपापविशोधने शुद्धे विपुद्धे सर्वकर्मावरणाविशोधन हनं
फट्॥ पंचविंशतिवैरोचनधारणी॥ ॥ॐ अत्रा सर्वतथागतहृदय हारं ॐ
हो भगवान् ज्ञानमूर्तिवागीश्वर महावाच सर्वधर्मगंगन अमलसुपरिशुद्ध
धर्मधातुज्ञानगर्भ आः॥ मंत्रराजनामसंगीतिधारणी॥ ॥ॐ वज्रसत्त्वसमय

मनुपालयवज्रसत्त्वनेनोप्रतिष्ठददोमेभवशाखतमेभवःसुपोषोमेभवअ
नुरक्तोमेभवसर्वसिद्धिमेप्रयच्छ सर्वकर्मसुचमेनिज्जिभियंक्रुद्धं हः हः
हः हः हो भगवन् वज्रमामेमुंचवज्रिभवमहासमयसत्त्वआः ॥ भगवान् शता
क्षरा ॥ ॐ मुनिश्महामुनये स्वाहा ॥ ॐ नरिणामेभ्यो ॥ ॐ चरणमहारोषराङ्गं
फूट ॥ ॐ तारेनुतारेतुरे स्वाहा ॥ ध्वमंत्रवृद्धाकारजुस्पति सुमरणायाय ॥ ॥

ॐ नमो रत्नत्रयाय ॥ ॐ नमः आर्यज्ञानसागरवैरोचनबृहदाजायंतपाग
ताया हिते सम्यक्संबुद्धाय ॥ ॐ नमः सर्वतथागतेभ्य अहिले सम्यक्संबुद्धेभ्य
नमः श्री आर्यावलोकितेश्वराय बोधिसत्वाय महासत्वाय महाकारुणिका
य ॥ नमः ॥ ॐ धरशधिरिधुरुरश्नेवनेवलेप्रवलेकुसुमेरवरेरश्लि
शिररिति ज्वलमपनये स्वाहा ॥ एकदशति लोके धरधारणी ॥ ॐ आव

ॐ नमः शिवाय ॥ वज्रवृक्ष आर्य मन्त्र राजहृदय ॥ ॐ आत्मैकं ॥ मंजुश्री वज्र
हृदय ॥ ॐ आः मणिपद्मे ॥ ॐ ह्रीं विष्णवे नमः ॥ ॐ यमान्न कर्तुं प्र
ॐ यमराजा समे जमे दोस्त रायो दय यो निरक्षति रमये ॐ २ फट् ॥ पंचानि
शक्ति वज्र भैरव हृदय ॥ ॐ श्री वज्र देहे ससक्तं फट् डाकिनी जाल स
म्बरं स्वाहा ॥ ॐ ह्रीं हुँ ॐ फट् ॥ ॐ वज्र वैरोचनी ये ॐ फट् स्वाहा ॥ ॐ सर्व

बुद्ध डाकिनीये वज्रवर्षा नीये ऊँ ऊँ फट् स्वाहा ॥ चक्रसम्बरशक्ति हृदय ॥
 ॐ ॐ ॐ सर्व बुद्ध डाकिनीये वज्रवर्षा नीये वज्रवैरोचनीये ऊँ ऊँ ऊँ फट् फट् फट्
 स्वाहा ॥ आकाशमुखधारिणी ॥ ॐ आः ऊँ ह्रीं ॐ मणिपद्मे ऊँ ॐ वज्रवा
 राही बुद्ध डाकिनीये वज्रवैरोचनीये ऊँ फट् कसूरामयशक्ति वज्रवाराही
 यामंत्र ॥ ॐ धूर्मधुये नमः स्वाहा ॥ ॐ हरिनीसरस्व ह्रीं य ऊँ न ॥ योगयोगि

तीहृदय॥ ॐ आः ऊं हो हाहा ॐ ह्रीं ह्रीं ॥
 कालचक्रहूं हूं फट् ॐ विश्वमाता ऊं ऊं फट् ॥
 वेशसर्वदृष्टान ह्रीं स्वाहा ॐ देवाविचुपव ॥
 वज्रकर्त्तिरीह वज्रये ऊं ऊं ऊं फट् स्वाहा ॐ ॥
 ॐ धर धार यर मर्दय रवज्रधृक् फट् स्वाहा ॐ शाश्वतपरशाश्वत एहेहिनि

॥ ह्रीं हूं ह्रीं स्वाहा ॐ श्री
 ॥ ह्रीं ॐ वज्रवारहा आ
 ॥ ज्र ऊं ऊं फट् स्वाहा ॐ
 ॥ आभः हूं फट् स्वाहा ॥

तजिक फट् स्वाहा ॐ वज्रसूर्यतमोविधमनसमयस्त्वं अहं रत्नधृक् स्वाहा
 ॐ वज्रधर्मसमयस्त्वं ऊर्गुर अवलोकय फट् स्वाहा ॐ फट् हि हि हि प्रज्ञाधृक्
 स्वाहा ॐ ऊं हूं स्वाहा ॐ हूं स्वाहा ॐ आः ह्रीं ऊं ॐ बुद्धडाकिनी आ ह्रीं हूं ॥ भ
 गवान्महाभायानामधारणी ॐ ह्रीं ह्रीं विकृतानन हूं हूं फट् फट् स्वाहा ॥ यम
 राजायाहृदय ॥ ॐ गरखंजिरखं विमनामे उच्यमहं कोठ ऊं फट् ॥ हरति

मंत्र॥ ॥ॐ प्रसोददुसोदुर्नसोदनिंगोलखोदखरजकंशंतंरफुट्स्वाहा॥
मंजुश्रीयाकिरराभासयामंत्र॥ ॥ॐ अकसमरवशदलशमलयेफुट्॥
सिंहमुखदृष्टिनामज्ञानडाकिनीयामूलमन्त्र॥ ॥ॐ आःॐ॥ छितुरुशिशि
शीहूकंचत्रिसदवदफलभयनदवत्सर्वमालयवदफुट्॥
योजनः आकाशचारिभयनाशजुयु॥ ॥ॐ ज्ञानडाकिनीअमरानिजी॥

बान्तियेस्वाहा॥ ॐ भोः नक्ष्त्राभोः रक्वोः खररकंदमो॥ रक्वोअच्युतवर्ण
भो॥ रलु२हूँभोः हूँ॥ ॐ महारजपञ्चहूँफुट्॥ ॐ वज्रमहारशास्त्रयवि
घ्नविनायकहूँ२फुट्॥ ॐ कालरूपहूँफुट्॥ ॐ चामुण्डहूँफुट्॥ ॐ महकाला
यहूँफुट्॥ ॐ महाकालविकालराजित्रौभिनीचरिणो रक्षसीशृंगलीदे
वीहूँभोहूँ॥ ॐ प्रणपप्रः शिरुपुरुषोहित सर्वशत्रुंमालयहूँफुट्॥ ॐ

कोयमज्वलरं प्रतिदेवी हूं स्त्रोक्षय म्रजं सर्वशत्रुं मालयवदफट् स्वाहा ॥
ॐ महायशान्नित्रिआर्यजल ऊं भो ऊं ॥ ॐ बिलिनिलि ऊं ॥ ॐ मिलिमिलि ऊं ॥
ॐ धनव ऊं ॥ ॐ वै स्वाहा ॥ ॐ वैश्रवणाय स्वाहा ॥ ॥ ॐ जमलजलेन्द्राय स्वा
हा ॥ ॐ पूर्णभद्राय स्वाहा ॥ ॐ मारिभद्राय स्वाहा ॥ ॐ कुबेराय स्वाहा ॥ ॐ सं
प्रज्ञानाय स्वाहा ॥ ॐ गुह्यस्थानाय स्वाहा ॥ ॐ पान्थियक्षये स्वाहा ॥ ॐ चिविक

एलिये स्वाहा ॥ ॐ हूं श्रीया देवा कालिमहाकालि ऊं भो फट् ॥ ॥ शुलिधर्म
पारदेवतायामंत्र ॥ ॥ ॐ नमः समन्तवृद्धानां आविद्यात रूपिणी ॥ ध्वम
ब्रवोना आखरसयी ॥ ॥ ॐ नमो भगवते अष्ट सहस्रिकाहा ॥ धर्मशेसेनि
सर्वकार्यशरीरतमे धर्म ॥ न यथा ॥ हम हस्मिति जयविजय धधरिणी प्रज्ञा
स्वाहा ॥ ध्ववोसाभयशान्तिमहारसाजुयि ॥ ॥ ॐ नमो भगवते पंचविंशति

प्रज्ञापारमिताय नमः ॥ तद्यथा ॥ ॐ प्रज्ञेऽमहाप्रज्ञे सर्वभरे प्रज्ञा सर्वज्ञानदन्तरे प्रज्ञा
प्रज्ञे ससकरोसिकलेसिकसिति भुतुरकम्भरभुधुरसरधरचलरगर्जरगर्ज
तिफुडे स्वाहा ॥ धर्ममंत्रवोनानपंचविंशतिप्रज्ञापारमितावोना उतिपुण्य ॥ ॥
ॐ नमो भगवते अष्टसहस्रिकाप्रज्ञापारमिताय ॥ ॐ मुनेऽमहामुनये स्वाहा
ॐ प्रज्ञापारमिताये स्वाहा ॥ ॥ ॐ नमो भगवते सर्वतथागतहृदयागते ॥ ॐ

कुरुंगिमी स्वाहा ॥ ॐ नमो आर्यमंजुश्रीय नमः ॥ तद्यथा ॥ गतेऽपारंगते पारसंगते बोधि
स्वाहा ॥ ॥ ॐ नमो भगवते एकशरप्रज्ञापारमिताय अः ॥ ॐ नमः समन्तभुद्रा
यबोधिसत्वाय महासत्वाय महाकाशिकाय ॥ तद्यथा ॥ ॐ नमो भरभरसत्वाय
स्वाहा ॥ शुपरिशुद्धतामधारणी ॥ पंचपापनाशाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते महार
त्नाग्निनेत्रप्रहस्रकेनुराजाय तथा गताया हिते सम्पत्तं बुद्धाय ॥ अकृतिं अध

मेयानापापनाश॥ ॥ ॐ नमो भगवते चन्द्रशरणा प्रजस्यतामकवर्मपाणि
विजयभूषिततथागताया हते सम्पत्तं बुधाय॥ अमृत्पाखं हानाया पापनाश
ॐ नमो भगवते प्रहसन् विनयश्रीतसहस्रपारपितानथागताया हते सम्प
त्तं बुधाय॥ कामक्रीडालोभमोहमदमायादकोपापनाश॥ ॥ ॐ नमो भग
वते नवनवनीनां सम्पत्तं बुधाय॥ बुद्धभाषितवोनाया पुरापडति॥

ॐ नमो भगवते प्रहसन् वज्रसमन्ततथागताया हते सम्पत्तं बुधाय॥ ध्वयापु
रपवनजसरवकाया सहवर्मनोलना तथागतया काया हिरवका गुमामवौवप्रे
हितया तत्रासवियागु वासचोनजलगनुपेदिभृया संधनागु आखलचोस्यं
तया ह्युनागु पुरिपापत्रकर्मयानागु कल्पभद्रशहस्रतथागतपतिस्वनसुह
ष्टिस्वस्यं विज्यातसां धनेयानागु पापपुके मजिबधकं॥ हनंशुगकल्पपापरुम

नकावश्चधारणीहृदयमन्त्र एकचिन्ताता नृपाध्यातसा गच्छजायासस
मिफुरिजुयिवेलसवायुनकयावमस्मजुवम् ॥ दशाकुशलपापपंचमहापा
पकायवाक्चिन्तनयानागुपापमोचनयायुधकउपगौचलसविज्जाकलम
हगुरुपद्मसंभवधर्मस्वामिनकलिस ॥ धर्मवक्त्रवर्गनायायधकंगुत्रया
स्यंतया ॥ ध्वपुस्तकमंजुश्रीधर्मस्वामिश्रीशाक्यमिशुनभक्तिभावनकास्थंतया

ॐ नमः श्रीगणेशाय
भगवान् राजगृहे विहर

स्वस्वाया श्रुतमेकस्मिन्समये

आभा सप्तकेशि

125

ABHA ARCHIVES